समापन भाषण

माननीय सदस्यगण,

पंचम झारखण्ड विधानसभा का पंचम सत्र अब अपने समापन की ओर है। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस बार भी बजट सत्र का आयोजन किया गया एवं इसकी शुरूआत संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण से हुई। माननीया राज्यपाल महोदया ने "विकास मूलमंत्र और आधार लोकतंत्र" की उदघोषणा के साथ वर्त्तमान सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रम के सम्बन्ध में इस पवित्र सदन को सरकार का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। वैसे तो सरकार की बहुत सारी जनहित की प्राथमिकताएँ राज्यपाल महोदया के अभिभाषण में इंगित की गई पर आज मैं इस समापन भाषण के माध्यम से राज्यपाल महोदया के भाषण के दौरान उद्धृत दो सरकारी योजनाओं की चर्चा करना चाहूँगा। राज्य सरकार द्वारा राज्य भर के 80 उत्कृष्ट विद्यालयों तथा 325 प्रखण्ड स्तरीय लीडर स्कूल के साथ-साथ 4091 ग्राम पंचायत स्तरीय आदर्श विद्यालयों की परिकल्पना की बात की गई, जिसमें प्रथम चरण में 27 उत्कृष्ट विद्यालयों अथवा School of Excellence का चयन किया गया है। राज्य सरकार के द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता की दिशा में उठाया गया यह एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण कदम है जो हमारे भविष्य निर्माण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही मरड़ गोमके जयपाल सिंह मुण्डा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना, 2020 एक ऐसी योजना है जो हमारे राज्य के छात्रों के लिए दुनिया के दरवाजे खोलने का काम करेगी ताकि वे अपने अध्ययन क्षेत्र में विश्वस्तरीय ज्ञान अर्जन कर सकें एवं केवल अपने राज्य ही नहीं वरन् समस्त मानव जाति के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

इस बजट सत्र में कुल 16 बैठकें निर्धारित थीं। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2021 के द्वितीय अनुपूरक बजट एवं वित्तीय वर्ष 2021-22 के बजट का उपस्थापन किया जिस पर अनुदान मांगों पर चर्चा के क्रम में पक्ष एवं विपक्ष के माननीय सदस्यों ने सार्थक विचार व्यक्त कर इसे पारित करने में अपनी गम्भीर भूमिका का निर्वहन किया है। बैठक के लिए प्रारम्भ में हमने कुल 62 घंटे निर्धारित किये थे परन्तु वास्तव में लगभग 65 घंटे सदन की कार्यवाही चली। इस प्रकार केवल समय के उपयोग के आधार पर देखा जाए तो हमारी सफलता 105 प्रतिशत है। इस सत्र में कुल

141 निवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से 134 निवेदन स्वीकृत हुए। इन सभी स्वीकृत निवेदनों को सम्बन्धित विभाग को भेजने का आसन से निदेश दिया गया है।

इस सत्र में कुल 1181 प्रश्न स्वीकृत हुए जिनमें अल्पसूचित प्रश्न 302, तारांकित प्रश्न 754 तथा 125 प्रश्न अतारांकित कोटि के थे। इनमें 38 अल्पसूचित प्रश्न एवं 53 तारांकित प्रश्न सदन में उत्तरित हुए। कुल 1016 प्रश्नों के उत्तर विभाग से प्राप्त हुए एवं शेष 165 प्रश्नों के उत्तर विभिन्न विभागों से प्राप्त किया जाना है। ऑनलाइन प्रश्नोत्तर सूचना प्रणाली के माध्यम के विभागों द्वारा कुल 70.38 प्रतिशत उत्तर प्राप्त कराये गये।

इस सत्र में कुल 426 शून्यकाल प्राप्त हुए जिनमें से 349 शून्यकाल स्वीकृत हुए, 44 गैर सरकारी संकल्प भी प्राप्त हुए एवं 75 ध्यानाकर्षण सूचनाएँ स्वीकृत की गई जिनमें से 43 ध्यानाकर्षण सूचनाएँ सदन में उत्तरित हुए।

इस सत्र में दो विनियोग विधेयक सहित कुल 10 सरकारी विधेयक सदन में विचार के लिए आये। सभा ने सार्थक चर्चा कर 09 विधेयकों पर अपनी स्वीकृति की मोहर लगाई है एवं 01 (एक) विधेयक प्रवर समिति को सौंपा गया।

सभा पटल पर सरकार द्वारा 2020-21 का आर्थिक सर्वेक्षण रखा गया। सर्वेक्षण की रिपोर्ट पढ़ने से यह ज्ञात होता है कि देश के बाकी हिस्सों की तरह कोविड-19 ने झारखण्ड की अर्थव्यवस्था को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। चालू वित्तीय वर्ष (2020-21) में राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) स्थिर मूल्य (Real GSDP) में 6.9 प्रतिशत और प्रचलित मूल्य (Nominal GSDP) में 3.2 प्रतिशत तक संकुचन की सम्भावना है। मेरी आशा है कि राज्य सरकार के प्रयासों से राज्य की अर्थव्यवस्था में उत्तरोत्तर सुधार होगा और मेरी यह आशा और भी बलवती इसलिए हो जाती है क्योंकि राज्य सरकार ने कोविड संक्रमण के कठिन समय में राज्यवासियों का भरपूर ख्याल रखा है जिसकी प्रशंसा हर ओर से की गई है।

इस सत्र में झारखण्ड विधानसभा की पाँच समितियों द्वारा अपना प्रतिवेदन सभा पटल पर रखा गया। आशा करता हूँ कि सभी समितियाँ सुचारू रूप से अपना काम करेंगे। जब सत्र नहीं चल रहा होता है तो इन्हीं समितियों के माध्यम से जनता की समस्याओं का निदान होता है।

मैं इस सत्र के सफलतापूर्वक संचालन के लिए पक्ष और विशेष करके विपक्ष के तमाम सदस्यों, माननीय सदन नेता, माननीय मंत्रीगण, सरकार के तमाम विभागाध्यक्षों, कर्मचारियों/पदाधिकारियों जिन्होंने दिन-रात मेहनत करके प्रश्नों का उत्तर सही समय पर देकर हमारे काम को आसान किया, सबको धन्यवाद देता हूँ। पुलिस प्रशासन के अधिकारी और एक-एक जवान इस सत्र के सफल संचालन के लिए बधाई के पात्र हैं जिन्होंने कठिन मेहनत करके सभा के कार्यों को शांतिपूर्वक सम्पन्न करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने कार्यों के लिए मैं सबों को अपने तरफ से तहे दिल से धन्यवाद देता हूँ। मैं शुक्रगुजार हूँ, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के तमाम साथियों का, जिन्होंने विधानसभा की कार्यवाही का अच्छी तरह से प्रकाशन और प्रसारण करके हमारे प्रयासों को जन-जन से अवगत कराया। मैं सभा सचिवालय के कर्मचारियों/पदाधिकारियों को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने दिन-रात एक करके सत्र संचालन में आसन को भरपूर सहयोग किया है। सदन में पक्ष और विपक्ष के बीच वाद-विवाद से ही जन-आकांक्षाओं का फलीभूत होना सम्भव हो पाता है। कई बार वाद-विवाद की उष्मा से सदन में व्यवधान भी आते हैं। परन्तु मैं जानता हूँ कि पक्ष और विपक्ष के समेकित सहयोग से हम विधायिका के रूप में अपने उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रहे हैं।

आज झारखण्ड विधानसभा के लिए और एक गौरव का दिन है कि पूरे देश के अन्दर मैं राजस्थान विधानसभा के बाद हम देश की दूसरी विधानसभा हैं, जिसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से सदन की कार्यवाही को स्वायत्त रूप से प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। मुझे आशा है कि ऐसा कर हम जनहित के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से कार्य कर पाएंगे। इसमें आप सभी माननीय सदस्यों का सुझाव एवं सहयोग प्रार्थित है।

सत्र समापन के बाद आने वाले रंगों के त्योहार होली, ईसा के बलिदान का पर्व गुड फ्राईडे, प्रकृति का पर्व सरहुल, पोइला बैशाख, रामनवमी एवं ईद-उल-फितर की शुभकामनाएँ देते हुए मैं सभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।